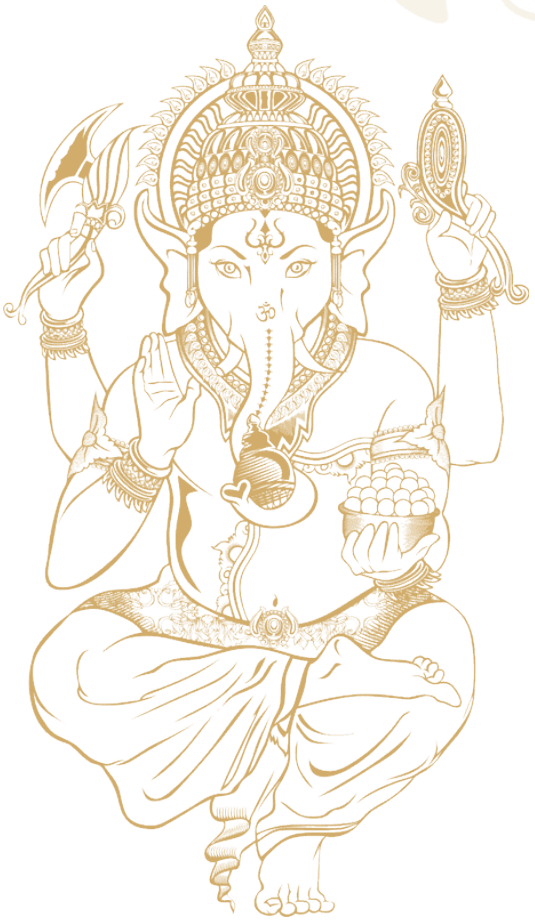

Devanshu

Tanushree

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121601201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121601201 Date: 16/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	7-08/02/1997
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	03:47:00 घंटे
घटी 00:23:22	जन्म समय(घटी)	51:08:45 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Amritsar
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	31:35:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	74:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:30:39	सूर्योदय	07:19:17
17:44:31	सूर्यास्त	18:09:55
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:02

धनु	लग्न	वृश्चिक
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कर्क	राशि	मकर
चन्द्र	राशि-स्वामी	शनि
आश्लेषा	नक्षत्र	धनिष्ठा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	2
विष्कुम्भ	योग	वरियान
वणिज	करण	किंस्तुघ्न
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	गी-गीता
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
मार्जार	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 11मा 19दि		24:36:04	धनु	लग्न	वृश्चि	28:47:23	मंगल 3वर्ष 8मा 6दि	
शुक्र		23:15:42	धनु	सूर्य	मक	25:22:33	गुरु	
28/12/2018		17:28:28	कर्क	चंद्र	मक	29:38:46	16/10/2018	
28/12/2038		05:54:27	मक	मंगल व	कन्या	12:04:58	16/10/2034	
शुक्र	28/04/2022	11:03:39	मक	बुध	मक	04:18:08	गुरु	04/12/2020
सूर्य	28/04/2023	07:16:23	धनु	गुरु	मक	10:13:53	शनि	17/06/2023
चन्द्र	27/12/2024	27:31:21	मक	शुक्र	मक	12:07:19	बुध	22/09/2025
मंगल	26/02/2026	26:06:19	कुंभ	शनि	मीन	10:27:18	केतु	29/08/2026
राहु	26/02/2029	28:18:20	कन्या व	राहु व	कन्या	05:28:37	शुक्र	29/04/2029
गुरु	28/10/2031	28:18:20	मीन व	केतु व	मीन	05:28:37	सूर्य	15/02/2030
शनि	28/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष	मक	11:38:46	चन्द्र	17/06/2031
बुध	27/10/2037	01:08:23	मक	नेप	मक	04:25:52	मंगल	23/05/2032
केतु	28/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:32:49	राहु	16/10/2034

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:02

लग्न-चलित

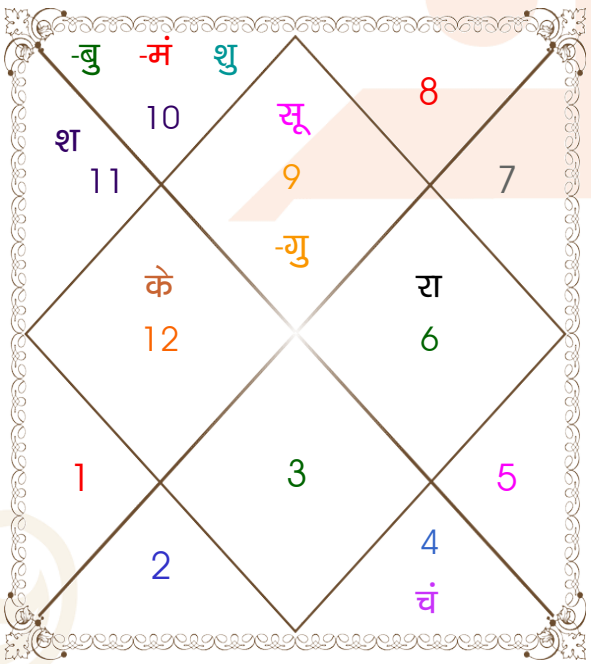

लग्न-चलित

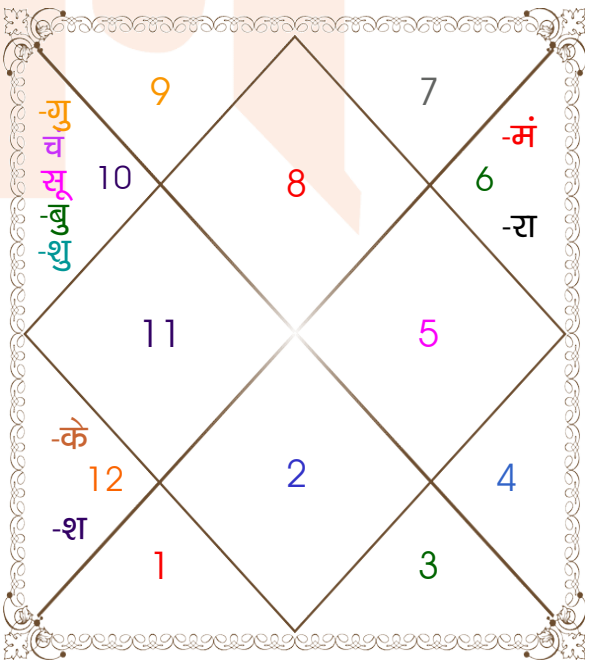

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : **28 / 36**

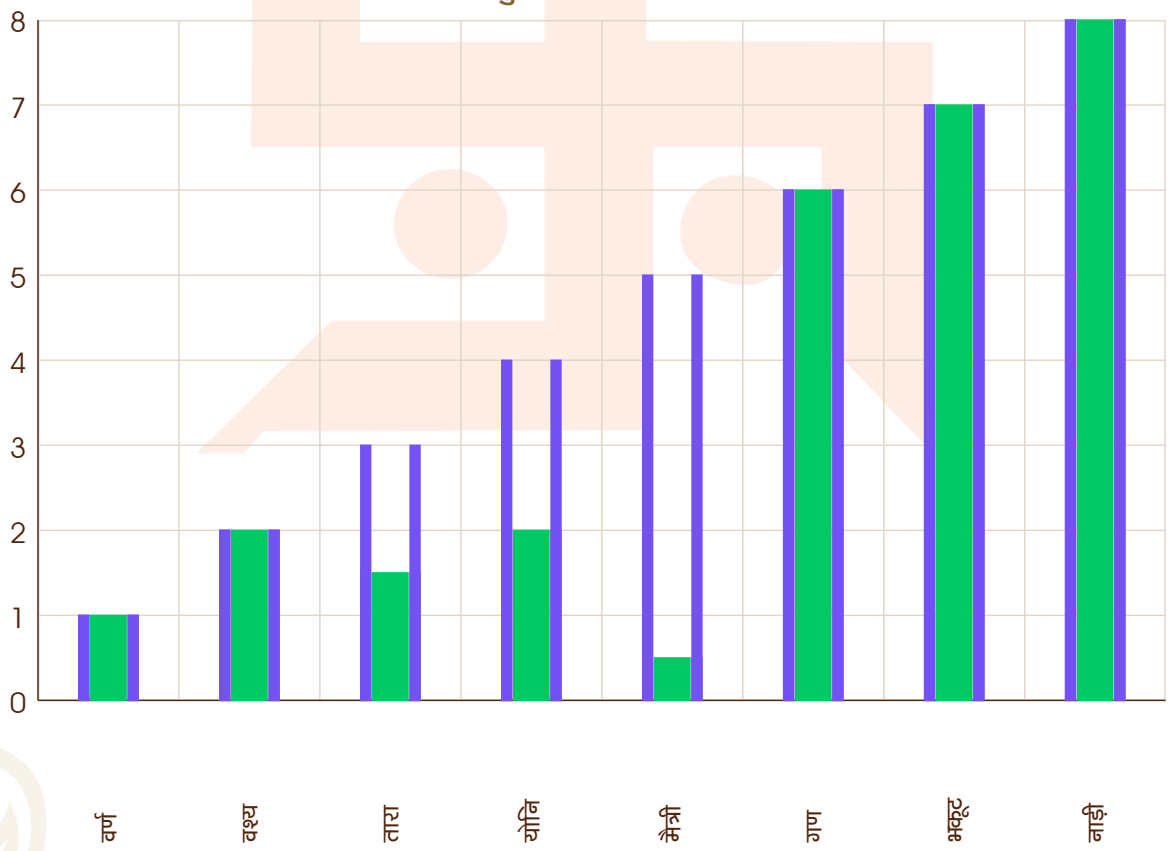

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

क्मअंदेीन का वर्ग श्वान है तथा ज्ंदनेीतमम का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअंदेीन और ज्ंदनेीतमम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअंदेीन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ज्ंदनेीतमम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

क्मअंदेीन तथा ज्ंदनेीतमम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा ज्ंदनीतमम का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ज्ंदनीतमम सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। ज्ंदनीतमम मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

क्मअंदीन का वश्य जलचर है एवं ज्ंदनीतमम का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

क्मअंदीन की तारा प्रत्यरि तथा ज्ंदनीतमम की तारा साधक है। क्मअंदीन की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत क्मअंदीन कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप ज्ंदनीतमम को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

क्मअंदीन की योनि मार्जार है तथा ज्ंदनीतमम की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में क्मअंदीन का राशि स्वामी ज्ंदनीतमम के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि ज्ंदनीतमम का राशि स्वामी क्मअंदीन के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

क्मअंदीन का गण राक्षस है तथा ज्ंदनीतमम का गण भी राक्षस है। अर्थात ज्ंदनीतमम का गण क्मअंदीन के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण क्मअंदीन एवं ज्ंदनीतमम दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

क्मअंदीन एवं ज्ंदनीतमम की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा क्मअंदीन व ज्ंदनीतमम को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

क्मअंदीन की नाड़ी अन्त्य है तथा ज्ंदनीतमम की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की

नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

क्मअंदीन की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा ज्ंदनीतमम की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जल में समानता का भाव रहता है। अतः क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम के मध्य स्वाभाविक समता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा फलतः मिलान उत्तम रहेगा।

क्मअंदीन एवं ज्ंदनीतमम की राशियों के स्वामी परस्पर शत्रु एवं समभाव में पड़ते है। इसके प्रभाव से यदा कदा क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम एक दूसरे के प्रति विरोध एवं वैमनस्य के भाव का प्रदर्शन करेंगे जिससे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः संबधों में कटुता का भाव उत्पन्न होगा। यदि क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम ऐसी प्रवृति पर नियंत्रण रख सके तो उनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग एवं सहानुभूति के भाव में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व को मध्य नजर रखते हुए परस्पर भावनाओं का सम्मान करेंगे। इससे क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम का वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम दोनों का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरूचियों में गहन समानता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी तथा एक दूसरे की काम भावनाओं को शांत एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः परस्पर अत्यंत ही आकर्षण एवं प्रेम का भाव रहेगा।

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा ज्ंदनीतमम का वर्ण वैश्य है। इसके प्रभाव से क्मअंदीन शैक्षणिक कार्य कलापों या धर्म संबधी कार्यो में प्रवृत रहेंगे तथा ज्ंदनीतमम की प्रवृति किसी भी प्रकार से धनार्जन संबधी कार्यो को परिश्रम तथा ईमानदारी से करने की होगी फलतः कार्यक्षेत्र में भी उन्नतिशील रहेंगे।

धन

क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

क्मअंदीन की नाड़ी अन्त्य तथा ज्ंदनीतमम की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति ज्ंदनीतमम के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः ज्ंदनीतमम को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः क्मअंदीन और ज्ंदनीतमम का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ज्ंदनीतमम के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए ज्ंदनीतमम को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी ज्ंदनीतमम को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा

उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी ज्ंदनेीतमम के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार ज्ंदनेीतमम का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

क्मअंदेीन के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को क्मअंदेीन अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी क्मअंदेीन के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण क्मअंदेीन के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।